प्रकाशितवाक्य की पुस्तक, अध्याय 5 में, हम देखते हैं कि परमेश्वर अपने सिंहासन पर विराजमान हैं। उनके दाहिने हाथ में एक पुस्तक (पत्र) है, जो भीतर और बाहर दोनों ओर लिखी हुई है, और सात मुहरों से बंद है। न तो स्वर्ग में और न ही पृथ्वी पर कोई योग्य पाया गया कि वह उस पत्र को खोले या उसमें झाँक भी सके।

उस पत्र में मानव जाति के छुटकारे के सारे भेद—आरम्भ से अन्त तक—लिखे हुए थे। जब यूहन्ना ने देखा कि कोई भी इसे खोलने योग्य नहीं है, तो वह रोने लगा। परन्तु तब एक योग्य आया: प्रभु यीशु मसीह! हल्लेलुयाह! (पूरा देखें: प्रकाशितवाक्य अध्याय 5)

पहली मुहर

प्रकाशितवाक्य 6:1-2

“जब मेम्ने ने सात मुहरों में से पहली मुहर खोली, तो मैंने देखा, और चार जीवित प्राणियों में से एक ने गरज की सी आवाज़ में कहा, ‘आ!’ और मैंने देखा, देखो, एक श्वेत घोड़ा है, और उसका सवार धनुष लिये हुए है; और उसको एक मुकुट दिया गया, और वह जयवन्त होकर विजय पाने के लिये निकल पड़ा।”

यहाँ हम चार जीवित प्राणियों और चार घोड़ों को देखते हैं। जीवित प्राणी विश्वासियों को दी गई परमेश्वर की सामर्थ्य का प्रतीक हैं, जिससे वे शैतान की युक्तियों और बुराई से लड़ते हैं।

पहला प्राणी सिंह के समान था।
दूसरा बैल के समान।
तीसरा मनुष्य के समान।
चौथा उड़ते हुए उकाब के समान।

पहली मुहर प्रारम्भिक कलीसिया में प्रकट हुए मसीह-विरोधी आत्मा को दर्शाती है।

2 थिस्सलुनीकियों 2:3

चेतावनी देता है: “किसी रीति से तुम्हें कोई धोखा न दे, क्योंकि जब तक अधर्म का मनुष्य प्रगट न हो, अर्थात विनाश का पुत्र, तब तक वह दिन न आएगा।”

प्रारम्भिक कलीसिया ने इस मसीह-विरोधी आत्मा पर विजय पाई परमेश्वर की शक्ति से, जो “सिंह की हिम्मत” के समान थी। यह काल लगभग 53 ईस्वी से 170 ईस्वी तक, इफिसुस की कलीसिया के समय में

रहा।

दूसरी मुहर

प्रकाशितवाक्य 6:3-4

“जब उसने दूसरी मुहर खोली, तो मैंने दूसरे जीवित प्राणी को
कहते सुना, ‘आ!’ तब एक और घोड़ा निकला, वह लाल था। और उसके
सवार को पृथ्वी से मेल छीन लेने का अधिकार दिया गया, ताकि
लोग एक-दूसरे को मार डालें, और उसको एक बड़ी तलवार दी गई।”

पहले धोखे में असफल होने पर मसीह-विरोधी की चाल बदल गई—अब उसने हिंसा का सहारा लिया। रोमी शासन और आगे चलकर कलीसिया पर हुए अत्याचारों (354 ईस्वी से आगे) में लाखों मसीही अपने विश्वास के लिये मारे गए। परन्तु परमेश्वर ने अपने पवित्र आत्मा की शक्ति, जो बैल का प्रतीक है, को छोड़ दिया जिससे विश्वासियों ने यह आक्रमण सह लिया।

रोमियों 8:36

“जैसा लिखा है, ‘तेरे कारण हम दिन भर मार डाले जाते हैं; हमें वध होनेवाली भेड़ों के समान गिना गया है।’”

तीसरी मुहर

प्रकाशितवाक्य 6:5

“जब उसने तीसरी मुहर खोली, तो मैंने तीसरे जीवित प्राणी को कहते सुना, ‘आ!’ तब मैंने देखा, और देखो, एक काला घोड़ा है। और उसका सवार अपने हाथ में तराजू लिये हुए है। और मैंने चारों जीवित प्राणियों के बीच में सी-सी की सी आवाज़ सुनी, ‘एक
दीनार में एक क्वार्टर गेहूँ, और एक दीनार में तीन क्वार्टर
जौ; और तेल और दाखमधु को हानि न पहुँचना।’”

मसीहियों के लहू बहाए जाने के बाद, मसीह-विरोधी ने धोखे और आर्थिक नियन्त्रण से कलीसिया को दबाया। यह काल लगभग 500–1500 ईस्वी तक “अंधकार युग” के रूप में जाना गया। परन्तु परमेश्वर ने बुद्धि और पवित्र आत्मा के कार्य से विश्वासयोग्य अवशेष को सुरक्षित रखा।

चौथी मुहर

प्रकाशितवाक्य 6:7-8

“जब उसने चौथी मुहर खोली, तो मैंने देखा, और देखो, एक पीला
घोड़ा है; और उसके सवार का नाम मृत्यु है, और अधोलोक उसके पीछे-पीछे चलता आया। और उन्हें पृथ्वी के चौथाई भाग पर
अधिकार दिया गया, कि वे तलवार, अकाल, महामारी और पृथ्वी के
हिंसक पशुओं से मार डालें।”

यह मुहर पहली तीन शक्तियों के संयुक्त प्रभाव को दिखाती है—धोखा, हिंसा और उत्पीड़न—जो कलीसिया के अन्तिम युग में काम करते हैं।

पाँचवीं मुहर

प्रकाशितवाक्य 6:9-11

“जब उसने पाँचवीं मुहर खोली, तो मैंने वे वेदियों के नीचे उन

लोगों की आत्माओं को देखा, जो परमेश्वर के वचन और अपनी गवाही
के कारण मार डाले गए थे। और वे ऊँचे शब्द से पुकारकर कहने
लगे, ‘हे प्रभु, हे पवित्र और सच्चे स्वामी, तू कब तक न्याय न करेगा और पृथ्वी के रहनेवालों से हमारे लोहू का बदला न
लेगा?’ तब उन सब को श्वेत वस्त्र दिये गए…”

ये आत्माएँ उन शहीदों का प्रतीक हैं—प्रारम्भिक मसीहियों से लेकर होलोकॉस्ट में मारे गए लोगों तक। उन्हें सफेद वस्त्र दिये जाते हैं, जो विश्वासयोग्यता के द्वारा प्राप्त उद्धार का चिन्ह हैं।

रोमियों 9:6

“क्योंकि सब जो इस्राएल से हैं, वे इस्राएली नहीं।”

छठी मुहर

प्रकाशितवाक्य 6:12-17

“जब उसने छठी मुहर खोली, तो मैंने देखा, और देखो, बड़ा भूकम्प हुआ, और सूर्य टाट के समान काला हो गया, और चन्द्रमा सब का सब
लहू के समान हो गया; और आकाश के तारे पृथ्वी पर ऐसे गिर
पड़े…”

यह प्रभु के बड़े दिन का वर्णन करता है (देखें: मत्ती 24:29-30) – कष्टकाल के अन्त में। इसके बाद पवित्र जनों का उठा लिया जाना (rapture) होगा।

1 थिस्सलुनीकियों 4:16-17

“क्योंकि स्वयं प्रभु आज्ञा का शब्द और प्रधान दूत का शब्द
और परमेश्वर की तुरही के साथ स्वर्ग से उतरेगा; और जो मसीह
में मरे हैं, वे पहले जी उठेंगे। तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे, उनके साथ बादलों पर उठा लिये जाएँगे…”

सातवीं मुहर

प्रकाशितवाक्य 8:1

“जब मेम्ने ने सातवीं मुहर खोली, तो स्वर्ग में लगभग आधे
घंटे तक चुप्पी छाई रही।”

यह मुहर अन्तिम न्याय और महा-उठा लिये जाने (rapture) की तैयारी को दर्शाती है। सातवें स्वर्गदूत, जो स्वयं यीशु मसीह का प्रतीक है (प्रकाशितवाक्य 10:1-4), अन्तिम संदेश देता है ताकि कलीसिया—मसीह की दुल्हन—उठाए जाने के लिये तैयार हो।

शालोम!

आगे की शिक्षाएँ WhatsApp पर उपलब्ध हैं: WHATSAPP

Share on:
WhatsApp